

प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 30 जुलाई, 2025 :-

- (1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, हरमू रोड, राँची की ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने रक्षा-सूत्र बांधा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। राज्यपाल महोदय ने ब्रह्मकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना एवं महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

(2) राज्यपाल महोदय ने रेड क्रॉस की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं जन-कल्याणकारी बनाने हेतु दिए दिशानिर्देश।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में आज राज भवन में Indian Red Cross Society की State Managing Committee की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्यपाल महोदय ने रेड क्रॉस की भूमिका को और अधिक प्रभावी तथा जन-कल्याणकारी बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से स्वैच्छिक रक्तदान को एक सामाजिक जनान्दोलन का रूप देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए और इनमें विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड जैसी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, सभी को इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि उन्हें भी अपने जीवन में 15-20 बार रक्तदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि रक्त की बर्बादी नहीं होनी चाहिए, यदि रक्त अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाए तो उसे समीपवर्ती जिलों में भेजा जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर

करने हेतु व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए और ऐसे रक्तदाताओं को सम्मानित किया जाए, जिन्होंने 50 बार या उससे अधिक रक्तदान किया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी विगत एक सदी से अधिक समय से निःस्वार्थ मानव सेवा में संलग्न है। यह संस्था आपदा, विपदा और स्वास्थ्य संकट के समय लोगों की संवेदनशील, त्वरित और मानवीय सहायता के लिए जानी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि सेवा, करुणा और परोपकार भारतीय संस्कृति के मूल मूल्य हैं और ऐसी अपेक्षा है कि रेड क्रॉस की झारखण्ड शाखा इन मूल्यों का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करें।

राज्यपाल महोदय ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी की मृत्यु केवल समय पर रक्त न मिलने के कारण होती है, तो यह न केवल संबंधित अस्पताल प्रबंधन, बल्कि रेड क्रॉस से जुड़े सभी व्यक्तियों की भी असफलता व निष्क्रियता मानी जाएगी। उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि कुछ स्थानों पर रक्त की बिक्री की शिकायतें प्राप्त होती हैं। उन्होंने सख्त निदेश दिए कि रेड क्रॉस सुनिश्चित करे कि कोई भी मरीज या परिजन विवश होकर रक्त न खरीदे। संस्था को एक समर्पित और भरोसेमंद रक्तदाता मंच के रूप में समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करनी चाहिए। राज्यपाल महोदय ने भारत रत्न

नानाजी देशमुख द्वारा किए गए देहदान का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मानवीय उदाहरण रेड क्रॉस के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने सोसाइटी को सक्रियता और समर्पण के साथ सेवा कार्य करने हेतु कहा।

राज्यपाल महोदय ने रेड क्रॉस की जिला इकाइयों को अधिक सक्रिय और प्रभावशाली बनाने, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक सेवा का विस्तार करने तथा संस्था के सभी कार्यों में वित्तीय पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संकट से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि रेड क्रॉस के स्वयंसेवक हर परिस्थिति में सक्षम और तत्पर रहें। उन्होंने संस्था को जीवंत बनाए रखने हेतु सतत सदस्यता अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि संस्था अच्छे कार्य करेगी, तो कई संस्थाएं अनुदान व सहयोग के लिए स्वयं आगे आएंगी। बैठक में सभी जिला इकाइयों को वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने के निदेश भी दिए गए। इस अवसर पर यह भी कहा गया कि रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला इकाइयाँ लावारिस शवों का अंतिम संस्कार भी कर सकती हैं, जो एक संवेदनशील सामाजिक दायित्व है।

राज्यपाल महोदय ने आशा व्यक्त की कि यदि रेड क्रॉस के सभी सदस्य मानव सेवा के प्रति संपूर्ण निष्ठा और संकल्प के साथ कार्य करें, तो यह संस्था एक जनआंदोलन का रूप ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यपाल के रूप में वे रेड क्रॉस की सेवा भावना से जुड़े हर प्रयास में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि "सेवा ही हमारा संकल्प हो", यही रेड क्रॉस की पहचान बने।

उक्त अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने इस बैठक के आयोजन के लिए माननीय राज्यपाल महोदय का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस ने अपने कार्यों से पूरे देश में विशिष्ट स्थान बनाया है। गत वर्ष जमशेदपुर को झारखंड राज्य के नाम से पुरस्कार भी प्रदान किया गया था।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव-सह-सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन कुलकर्णी, राज्य परियोजना निदेशक श्री शशि रंजन, निदेशक (खेल) श्री शेखर जमुआर, सोसाइटी की झारखंड राज्य शाखा से जुड़े पदाधिकारी, जिला इकाइयों के प्रतिनिधिगण एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

(3) माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार द्वारा आज रांची विश्वविद्यालय, राँची के कुलपति पद के सामान्य कार्यों (Routine Work) के निष्पादन हेतु अगले आदेश तक झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, राँची के कुलपति को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

साथ ही यह निदेश दिया गया है कि सामान्य प्रशासनिक कार्यों को छोड़कर किसी भी नीतिगत निर्णय के लिए कुलाधिपति की स्वीकृति अनिवार्य होगी।
